दैनिक

# क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 211
मुरादाबाद
(Sunday)
22 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

**सीएम योगी की मां पंचतत्व में विलीनः अंतिम परिक्रमा कर**

**लंच पर पकी सियासी खिचड़ीः चंद्रशेखर**

## भावुक होकर मां को किया नमन, छोटे भाई ने दी मुखाग्नि

### सीएम योगी ने लिखा- अंतिम प्रणाम मां, भावुक होकर किया नमनःग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर दी श्रद्धांजलि





मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी पंचतत्व में विलीन हो गईं। अपनी मां को अंतिम विदाई देते समय सीएम योगी भावुक हो गए। उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल स्थित पैतृक गांव पंचूर में उन्होंने मां के पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनकी आंखों से आंसू छलक पड़े। मुख्यमंत्री कई बार रूमाल से आंसू पोंछते नजर आए।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता सावित्री देवी का शनिवार को हरिद्वार के चंडी घाट स्थित श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। उनके छोटे बेटों शैलेंद्र और महेंद्र ने मां को मुखाग्नि दी।इससे पहले पौड़ी गढ़वाल जिले के पैतृक गांव पंचूर से सुबह 8:50 बजे उनकी अंतिम यात्रा शुरू हुई। गांव से हरिद्वार तक के सफर में बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि और परिजन शामिल रहे। करीब 11:40 बजे अंतिम यात्रा चंडी घाट पहुंची। यहां अंतिम संस्कार की धार्मिक परंपराओं के अनुसार रस्में निभाई गईं। आदित्यनाथ ने भी मां के पार्थिव शरीर को कंधा दिया। इस दौरान वह भावुक नजर आए। घाट पर अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए साधु-संतों, राजनीतिक हस्तियों और गणमान्य लोगों का पहुंचना जारी रहा। 13 अखाड़ों के आचार्य और श्रीमहंत भी अंतिम विदाई में शामिल हुए।सावित्री देवी का अंतिम संस्कार हरिद्वार में किए जाने के पीछे परिवार की परंपरा भी जुड़ी है। पंचूर गांव के लोग अपने परिजनों का अंतिम संस्कार परंपरागत रूप से हरिद्वार में करते हैं। इसी परंपरा के अनुसार सावित्री देवी को भी पैतृक घाट लाया गया। इससे पहले योगी आदित्यनाथ के पिता आनंद सिंह बिष्ट का निधन 21 अप्रैल 2020 को हुआ था। कोरोना संक्रमण के दौर में परिस्थितियों के चलते उनका अंतिम संस्कार हरिद्वार के बजाय फूलचट्टी घाट पर किया गया था।अंतिम यात्रा के दौरान लक्ष्मण झूला-कांडी मोटर मार्ग पर जगह-जगह ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर सावित्री देवी को श्रद्धांजलि दी। शव वाहन पर फूल बरसाकर लोगों ने अपनी श्रद्धा व्यक्त की। यात्रा के दौरान लगातार भगवद्गीता का पाठ होता रहा। गांव से लेकर हरिद्वार तक बड़ी संख्या में लोग इस अंतिम विदाई के साक्षी बने। चंडी घाट पर अंतिम संस्कार के दौरान संत समाज की भी बड़ी मौजूदगी रही। 13 अखाड़ों के आचार्य और श्रीमहंत के अलावा योग गुरु स्वामी रामदेव भी संतों की टीम के साथ पहुंचे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद से जुड़े पदाधिकारी भी मौजूद रहे। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कई कैबिनेट मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक हस्तियों ने सावित्री देवी को श्रद्धांजलि दी। भाजपा नेता बांसुरी स्वराज भी अंतिम संस्कार में पहुंचीं। भीड़ और विशिष्ट अतिथियों की मौजूदगी को देखते हुए हरिद्वार जिला प्रशासन ने सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए थेउत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी सावित्री देवी के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मां का स्नेह, ममता और आशीर्वाद जीवन की सबसे अनमोल पूंजी होती है। मां का निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। दुख की इस घड़ी में उनकी संवेदनाएं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके परिजनों के साथ हैं। उन्होंने बाबा केदार से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिवार को यह दुख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने भी शोक जताते हुए दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का हरिद्वार के चंडी घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। छोटे भाई महेंद्र मोहन बिष्ट ने मुखाग्नि दी। योगी ने मां की अर्थी को कंधा दिया और चिता की परिक्रमा कर प्रणाम किया। भावुक मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा, अंतिम प्रणाम मां।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शनिवार को हरिद्वार के चंडी घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। इस भावुक क्षण में, सीएम योगी आदित्यनाथ ने अपनी मां की चिता की परिक्रमा की, सिर झुकाकर प्रणाम किया और अंतिम यात्रा के दौरान वे अपने आंसू नहीं रोक पाए। उन्होंने घर से मां की अर्थी को कंधा देकर एंबुलेंस तक पहुंचाया और फिर चंडी घाट पर भी अर्थी को कंधा दिया। बार-बार रुमाल से आंसू पोछते हुए, योगी मां के पार्थिव शरीर के साथ पौड़ी के पैतृक गांव पंचूर से हरिद्वार पहुंचे थे। सीएम के सबसे छोटे भाई महेंद्र मोहन बिष्ट ने मां को मुखाग्नि दी। इस अवसर पर उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, केशव मौर्य, मंत्री संजय निषाद सहित 50 से अधिक ङ्कढ्ढक्क घाट पर मौजूद रहे। बाबा रामदेव और चिदानंद सहित 13 अखाड़ों के आचार्य और महंतों ने मंत्रोच्चार के साथ अंतिम संस्कार की प्रक्रिया संपन्न कराई।योगी ने मां को कंधा देते हुए एक फोटो %ङ्क% पर पोस्ट की, जिसमें महाभारत का एक श्लोक लिखा था। इस श्लोक का अर्थ था- %मां जैसी कोई छाया नहीं। मां जैसा कोई आश्रय नहीं। कोई प्रेम नहीं। मां जैसी कोई सुरक्षा नहीं और मां जैसा इस दुनिया में कोई जीवनदाता नहीं।% यह पोस्ट मां के प्रति उनके गहरे प्रेम और सम्मान को दर्शाता है। वहीं, फिर से योगी ने एक्स पर पोस्ट किया, जिसमें लिखा- अंतिम प्रणाम मां...

## संक्षिप्त समाचार

### 7% की रफ्तार से दौड़ेगी भारतीय अर्थव्यवस्था, लेकिन महंगाई सिरदर्द, दिसंबर में 0.25% ब्याज दर बढ़ने के

वित्त वर्ष 2027 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7% रहने का अनुमान है, लेकिन खुदरा महंगाई 6.09% पहुंचने से दिसंबर में रेपो रेट 0.25% बढ़ सकता है। सेक्टोरल असर और अर्थव्यवस्था पर पूरी रिपोर्ट पढ़ने के लिए क्लिक करें।वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर एक राहत भरी और साथ ही सतर्क करने वाली खबर सामने आई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 (FY27) में देश की वास्तविक जीडीपी (Real GDP) वृद्धि दर लगभग 7 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया है। बुनियादी ढांचे पर सरकारी खर्च (कैपेक्स), मजबूत घरेलू मांग और सेवा क्षेत्र (सर्विसेज) की तेज रफ्तार इस विकास दर को सहारा दे रही है। हालांकि, आम आदमी और उद्योग जगत के लिए महंगाई का दबाव अब भी सबसे बड़ा रोड़ा बना हुआ है, जिसके चलते आने वाले दिनों में कर्ज और महंगे हो सकते हैं। अर्थव्यवस्था की ७ब की रफ्तार को कहां से मिल रहा है दम? ब्रिकवर्क रेटिंग्स (BWR) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत की विकास रफ्तार को घरेलू मजबूती और सेवा निर्यात का मजबूत संबल मिल रहा है।सरकारी पूंजीगत व्यय- वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही (Hv) में केंद्र सरकार का पूंजीगत व्यय 6.55 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स को भारी गति मिली है।

## के घर ओवैसी ने खाई दाल, बोले-बुलडोजर नहीं, संविधान से चलेगा यूपी



सहारनपुर के छुटमलपुर में ओवैसी ने चंद्रशेखर के आवास पर समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने चंद्रशेखर को मुख्यमंत्री बनाने और 2027 में भाजपा को सत्ता से हटाने की अपील की।एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश की सियासत को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश बंदूक की गोली और बुलडोजर से नहीं, बल्कि संविधान से चलेगा। ओवैसी ने आजाद समाज पार्टी के सांसद चंद्रशेखर आजाद को मुख्यमंत्री बनाने की अपील करते हुए कहा कि दोनों भाई मिलकर दिल्ली से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हटाने का काम करेंगे। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश की जनता परिवर्तन का मन बना चुकी है और सामाजिक परिवर्तन मोर्चा 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को उत्तर प्रदेश से बेदखल करेगा।ओवैसी छुटमलपुर में चंद्रशेखर आजाद के आवास पर मौजूद आजाद समाज पार्टी, एआईएमआईएम और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं व समर्थकों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान बड़ी संख्या में समर्थक जुटे। ओवैसी ने अपने संबोधन में प्रदेश की कानून-व्यवस्था, कथित डर के माहौल और राजनीतिक बदलाव की जरूरत का मुद्दा उठाया।ओवैसी ने समर्थकों से पूछा कि क्या वे चंद्रशेखर आजाद को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री देखना चाहते हैं। इस पर भीड़ ने नारेबाजी करते हुए सहमति जताई। ओवैसी ने कहा कि प्रदेश की जनता अब बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा, आप चंद्रशेखर को मुख्यमंत्री बनाएं। उसके बाद हम दोनों भाई मिलकर दिल्ली से मोदी को हटाने का काम करेंगे। ने कहा कि यह मोर्चा उन लोगों को अधिकार दिलाने के लिए बनाया गया है, जो उनके मुताबिक खौफ के माहौल में रह रहे हैं और जिनके बच्चों को गोली मारी गई है।ओवैसी ने समर्थकों से 26 नवंबर को लखनऊ में प्रस्तावित बड़ी रैली में पहुंचने की अपील की। उन्होंने कहा कि रैली को सफल बनाने के बाद आधी लड़ाई जीत ली जाएगी और बाकी लड़ाई 2027 में लड़ी जाएगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपने-अपने बूथ मजबूत करने का आह्वान भी किया।

## सपा में नए चेहरों की एंट्रीः कांग्रेस से सीट बंटवारे पर अखिलेश यादव बोले- बात सीटों की नहीं, जीत की है



समाजवादी पार्टी में कई नेताओं ने सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए भ्रष्टाचार और अधिकारियों की तैनाती को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने सरकार बनने पर अग्निवीर योजना समाप्त करने का वादा किया। साथ ही बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने और चुनावी तैयारियों पर जोर दिया।समाजवादी पार्टी में शनिवार को कई नेताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इनमें अनिल कसाना, उत्पल राय, पूर्व मंत्री अवधेश चौहान, विनय प्रताप, वीरेंद्र, अदनान अशरफ खान और महेश कुमार बबलू शामिल हैं। इस मौके पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज के समय में भाजपा सबसे बड़ा संकट है। उसके सत्ता से हटने पर ही संकट दूर होगा।कांग्रेस से गठबंधन पर बोले- बात जीत की है-कांग्रेस के साथ सीटों के बंटवारे को लेकर अखिलेश यादव ने कहा कि अभी भी ऐसी सीटें हैं, जहां कांग्रेस जीत सकती है। बैठक में इस पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि बात सीटों के बंटवारे की नहीं, बल्कि जीत की है। जो जहां जीतेगा, सीट उसके हिस्से में जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोगों को लग रहा है कि कमल मुरझा गया है, इसलिए अब वे राधे-राधे कहने लगे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं को भरोसा दिलाते हैं कि भाजपा उनके साथ अन्याय नहीं कर सकती, पार्टी उनका पूरा साथ देगी। सपा सरकार बनने पर अग्निवीर योजना खत्म की जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी की वेबसाइट पर आने वाले सुझावों पर भी काम किया जाएगा।अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में अधिकारी सत्ता के दबाव में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी पिछले 10 वर्षों से एक ही कुर्सी पर बैठे हैं, उन्हें हटाने के लिए सभी विधायकों के हस्ताक्षर से ज्ञापन दिया जाएगा।

## मैं चुनौती को चुनौती दिए बिना रह नहीं सकता, सेमीकंडक्टर से गरीबी उन्मूलन तक पीएम ने गिनाईं उपलब्धियां



नरेन्द्र मोदी आज पश्चिम बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश के दौरे पर हैं। प्रधानमंत्री आईआईटी खड़गपुर के प्लेटिनम जुबली समारोह में पहुंच गए हैं। इसके बाद वे बिहार के वैशाली जाएंगे, जहां विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री लखनऊ जाएंगे। स्वराज से आत्मनिर्भरता और विकसित भारत तक का सफर- प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की विकास यात्रा में स्वराज की आकांक्षा से आत्मनिर्भरता के संकल्प तक का सफर बेहद महत्वपूर्ण रहा है। अब देश विकसित भारत के लक्ष्य के साथ अपने भविष्य को आकार देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, यह धरती, जहां कभी स्वराज की आकांक्षा थी, आज आत्मनिर्भरता के संकल्प को दर्शाती है। जहां कभी आजादी का सपना था, वहां अब भविष्य को आकार देने का अवसर है। आकांक्षा से आत्मनिर्भरता तक की यह यात्रा ही विकसित भारत के निर्माण की असली प्रेरक शक्ति है। प्रधानमंत्री ने भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों का भी जिक्र किया। इनमें वर्ष 2023 में इसरो का चंद्रयान-3 मिशन शामिल है, जिसके तहत भारत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास सफल सॉफ्ट लैंडिंग करने वाला दुनिया का पहला देश बना। इसके अलावा, पिछले 12 वर्षों में भारत के विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में बड़े बदलाव हुए हैं। देश की जैव-अर्थव्यवस्था (बायोइकोनॉमी) का आकार करीब 20 गुना बढ़ा है। अंतरिक्ष क्षेत्र में स्टार्टअप का विस्तार हुआ है, मौसम पूर्वानुमान की क्षमता में सुधार हुआ है और रणनीतिक क्षेत्रों में स्वदेशी तकनीकों का विकास हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देशवासियों से अपनी सोच की सीमाओं को तोड़ने और खुद के बनाए दायरों से बाहर निकलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर निर्माण, गरीबी में कमी और वैज्ञानिक नवाचार के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां साबित करती हैं कि देश लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों को पार करने में सक्षम है। 21 नवंबर 2026 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर के प्लेटिनम जुबली समारोह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि देश अब सीमाओं को स्वीकार करने वाली पुरानी सोच से बाहर निकल चुका है। चुनौतियों से निपटने के अपने नजरिये को बताते हुए उन्होंने कहा, मेरे स्वभाव में ही बना है कि मैं चुनौती को चुनौती दिए बिना रह नहीं सकता हूं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आपने विश्व बैंक की हालिया रिपोर्ट के बारे में जरूर पढ़ा या सुना होगा। विश्व बैंक ने कहा है कि भारत में महज 12 से 13 वर्षों में 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। यह कोई छोटा बदलाव नहीं है, बल्कि यह सीमाओं को तोड़कर आगे बढ़ने वाली सोच का नतीजा है।12 से 13 वर्षों में 50 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए- पीएम मोदी। रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत में पिछले 12 से 13 वर्षों के दौरान करीब 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। उन्होंने इसे सीमाओं को तोड़कर आगे बढ़ने वाली सोच का परिणाम बताया।पीएम मोदी ने कहा, ५विश्व बैंक ने कहा है कि भारत में महज 12 से 13 वर्षों में 50 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला गया है। यह कोई छोटा बदलाव नहीं है, बल्कि यह सीमाओं को तोड़कर आगे बढ़ने वाली सोच का नतीजा है। विश्व बैंक की अक्टूबर 2026 की गरीबी और समानता संबंधी रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में करीब 49.6 करोड़ (496 मिलियन) लोग प्रतिदिन 4.20 डॉलर की निम्न-मध्यम आय वाली गरीबी रेखा से ऊपर आए। इस दौरान गरीबी दर 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत रह गई।

## संपादकीय Editorial

# Ghatta Toll, the Crossroads of Struggle

At the crossroads of struggle, Ghatta Toll Plaza is intimidating the public with the four-lane system, and the political activity is so intense that the relevance of public representatives is being questioned. It's like holding a gun to the nose of a journey on the Mataur-Shimla four-lane, with the toll increasing to ?95 after a mere eight to nine kilometers. Meanwhile, for those traveling from Hoshiarpur-Chandigarh, a mere five to seven kilometers has resulted in a ?95 fine. Here, all the arguments are uttered by the NHAI, while the helpless public watches their arguments fail. The Ghatta Toll Barrier is writing a story of struggle today, where the people are losing their destiny after losing their land. The destinations of the wide roads near the settlement have changed, and now we search for the graves of our own homes. The village has its own perspective, but the four-lane has established its roots there as well. The rural areas around the Ghatta toll plaza, whose economy used to flow into the city, are now suffering a loss of 95 rupees per trip. It appears that the social aspect of the four-lane project is suffering the consequences of ignored advocacy. In the reality of the four-lane project, while providing relief to the rural economy, a system must be established that does not disrupt the centuries-old way of life. The four-lane project, which begins at Mataur instead of Shimla, has certainly accelerated transportation, but beyond Kachiari, the journey on the narrow Mandi-Pathankot road is becoming increasingly difficult and painful. Surprisingly, the ongoing work on the Pathankot-Mandi four-lane project is not visible beyond Kachiari. The construction of flyovers at Malan and Jasoor is lagging behind at a snail's pace, and from Rajol to Kachiari, it's still uncertain whether it will exit via the airport gates or whether political gains and losses will delay the process even further. This is also because anonymous land deals have hampered these projects, potentially leading to airport expansion. It would be better if the government worked out a framework with NHAI that would facilitate faster traffic movement. If the four-lane from Rajol to Kachiari is planned, traffic from Shimla-Chandigarh and Hoshiarpur-Jalandhar will be streamlined. Similarly, if mobility from Kachiari to Malan towards Mandi and a DPR beyond Paraur is ensured, the caravan will be safe. Otherwise, four-lane projects are wreaking havoc on the residents of many areas before they are even completed. While scattered material from four-lane projects is bothering people, the rural population is also worried about the possibility of Ghatta toll in the future. Undoubtedly, a new market is taking shape through four-lane projects. Himachal appears to be progressing in terms of tourism and transportation, but the wider roads should not trample the dignity of rural roads. Ghatta Plaza may be constructed later to meet NHAI's parameters, but rural connectivity should be a key consideration. It's becoming clear in Himachal that four-lane projects are leaving some major markets and rural areas untouched. Jasoor and Shahpur are still grieving. This trend may eventually overwhelm the markets of Kangra, Jogindernagar, or Nagrota Bagwan. For now, representatives of Kangra district should make every effort to secure concessions from the public expressing displeasure over the Ghatta toll plaza.

# Under the guise of the India Summit

The way Congress described the India Summit as an attempt to revive the legacy of the Non-Aligned Movement suggests it has forgotten the fundamental principle that foreign policy belongs to the country, not any particular party. Congress's India Summit became an anti-Modi event.

Foreign speakers questioned the Indian electoral system.

An Italian leader raised slogans in the presence of Rahul Gandhi. The two-day India Summit, organized by the Congress in Hyderabad with the support of its Telangana government, may have been intended to bring together progressive forces of the world, but it became more widely known as an anti-Modi government event. Congress cannot blame anyone but itself for this image. The conference was organized to commemorate India's 80th year of independence and Nehru's 137th birth anniversary, but it specifically invited foreign speakers known to be staunch opponents of the Modi government. This is why the government denied visas to many of them.

While the conference also discussed topics like AI, economic justice, and climate change, it became the center of controversy when Giacomo Filibeck, an Italian socialist leader, questioned the Indian electoral system and democracy in Rahul Gandhi's presence, raising the Hindi slogan "Vote Chor-Gaddi Chhod." It's clear that this was taught to him. This is confirmed by his statement, "Those who marched to Ramlila Maidan a few days ago in Rahul Gandhi's campaign for a transparent voter list remind us that only such people protect democracy." This statement is reminiscent of Rahul Gandhi's repeated refrain that democracy has ended in India and the Constitution is in danger. He continues to make similar statements both domestically and abroad, and during his foreign trips, he specifically interacts with those who pursue an anti-Modi agenda. Undoubtedly, it's not a crime for a foreigner to express disagreement with the Indian government's economic, trade, or foreign policy, whether at home or in India. However, if someone resorts to cheap rhetoric like vote-stealing, it would be considered pettiness. The Italian leader did just that, and for this reason, a leader from his own country condemned him, saying that it was wrong to teach democracy to a country with millions of voters. If the Congress party believes that it can enhance its image and increase its support base through unsubstantiated and baseless allegations, it is delusional. It would be beneficial if leaders like Philbeck also overcame this delusion, as the Indian public would believe their words. The way the Congress party described the India Summit as an attempt to revive the legacy of the Non-Aligned Movement suggests that it has forgotten the fundamental principle that foreign policy belongs to the country, not to any particular party.

# Hindutva Becoming the Central Pivot of Politics

The SP chief's announcement to visit the Ram Temple in Ayodhya symbolizes the shift in politics. Akhilesh Yadav's visit to the Ram Temple symbolizes political change. The rise of the BJP forced secular parties to embrace Hindutva. Hindutva is now becoming the central axis in power politics. Since independence, there has been a current in Indian politics whose dream was to bring Hindutva to the center of politics. This dream was fulfilled with the national rise of the BJP. Despite this, a large segment of politics still practices minority-centric politics under the guise of secularism. This is why secularism has been labeled pseudo-secularism. If a proponent of secular politics announces a visit to the Ram Temple, it is no small matter. SP chief Akhilesh Yadav's visit to the Ram Temple on December 12th symbolizes the shift in politics. The political current Akhilesh represents neither participated in the construction of the Ram Temple nor does it accept the demolition of the Ayodhya structure. Yet, if they are going to the Ram Temple, it means that they too now consider Hindutva politics necessary for their political survival.

Today, the BJP is the dominant face of Hindutva politics, but in post-independence politics, the Hindu Mahasabha and Swami Karpatri's Ram Rajya Parishad were the faces of Hindutva politics. The Jan Sangh, the predecessor of the BJP, was also a part of this politics. These parties opposed the then-current politics of neglecting the rights, traditions, and beliefs of Hindu society in the name of secularism. Hindutva politics, under the guise of secularism, opposed the politics of minority appeasement. However, the current politics propagated opposition to appeasement as anti-minority. Later, secularism became a fashion, where calling Hindu traditions and beliefs conservative was considered progressive.After the 2014 general elections, Hindutva politics was a major factor in the rise of Modi and the BJP, but a large section of the political community refrained from considering it the pivot of politics. Many secular parties saw the BJP's rise as temporary and believed it would be short-lived. However, with the exception of a few states like Telangana, Tamil Nadu, and Kerala, Hindutva politics under BJP leadership continued to exert a profound influence. When anti-BJP parties failed to stop this, they were forced to resort to Hindutva, albeit covertly. For example, during the 2017 Gujarat and 2018 Karnataka elections, Rahul Gandhi visited temples wearing the sacred thread. He failed in Gujarat, but succeeded in Karnataka. After this, Rahul returned to the pseudo-secularist trend.

When Mulayam Singh Yadav first became the Chief Minister of Uttar Pradesh, the BJP supported him. Later, his entire political stance was anti-BJP. In 1990, when LK Advani launched a Rath Yatra in support of the Ram Mandir, Janata Dal chieftains, especially Mulayam Singh Yadav and Laluted to become the hero of the Muslim community by arresting Advani. Lalu Yadav had Advani arrested in Samastipur. Shortly thereafter, police opened fire on kar sevaks in Ayodhya. Following this incident, while the BJP emerged as a strong proponent of Hindutva politics, Lalu Prasad Yadav and Mulayam Singh Yadav emerged as prominent figures of anti-Hindutva politics. Both also held positions of power in their respective states.

Narendra Modi's rise in national politics punctured the balloon of pseudo-secularism. Today, anti-BJP parties are unsure whether to bat on the BJP's Hindutva pitch or create their own. Looking at Akhilesh Yadav's politics, it seems that to bridge the gap with power, he is preparing to enter the same Hindutva pitch created by the BJP. Since he is also building a replica of the Kedarnath temple in Etawah, it can be said that he is also developing his own form of Hindutva politics. Lalu Yadav is also a secularist, but in personal and family events, he not only follows Hindu traditions but also vociferously promotes them. Tamil Nadu Chief Minister Vijay is also seen visiting temples, despite being a Christian. Call it the influence of Hindutva politics or something else, Kashmir Chief Minister Omar Abdullah and his rival Mehbooba Mufti recently visited the Ksheer Bhavani temple. Congress politics appears to be a bit different.A section of the Congress in Uttar Pradesh wants Rahul to also visit the Ram Temple in Ayodhya. He may do so, but perhaps his mother Sonia Gandhi's tears are a major obstacle in his path. In a recent interview regarding her autobiography, she said that she cried during the demolition of the Babri structure. Earlier, Salman Khurshid had said that she also shed tears after the Batla House encounter in Delhi. The future will tell how far the Hindutva politics of secular parties will go, but it is certain that the politics of power can change to any extent.

# India and ASEAN

India can easily exert its influence within ASEAN because Indian culture has a significant influence in all the countries of this organization. This cultural connection should also be leveraged. It is important for India to enhance economic and trade cooperation with ASEAN.There is a need to jointly counter China's economic dominance. Emphasis on making the Act East Policy more effective. Despite not being a member of ASEAN, the organization of Southeast Asian nations, India's participation in its conferences and the importance accorded to it by its member countries reflects India's growing stature. Since ASEAN is a group of 11 Southeast Asian countries, and India is located in South Asia, India cannot become a member, but it can, and should, benefit significantly by expanding its economic and trade cooperation with this organization.As a dialogue partner and strategic partner of ASEAN, India should prioritize deepening its relations with this organization so that all member countries can become a major market for India. It is true that India has implemented the Act East Policy to enhance its relations with Southeast Asian countries, and as a result, its trade with these countries has increased. However, it cannot be ignored that India exports less to these countries and imports more.

# शिक्षा द्वारा निर्देशों के अनुपालन में लापरवाही पर जिलाधिकारी सख्त, कस्तूरबा गांधी विद्यालयों की शिक्षा व्यवस्था में सुधार के दिए निर्देश



डीसी कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय को सेवा समाप्ति हेतु प्रथम नोटिस जारी करने के निर्देश, बीएसए को प्रतिकूल प्रविष्टि जिलाधिकारी श्री अनुनय झा की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में शिक्षा विभाग से संबंधित डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने विगत बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की बिंदुवार समीक्षा की तथा अपेक्षित प्रगति न मिलने पर संबंधित अधिकारियों के प्रति कड़ी नाराजगी व्यक्त की।

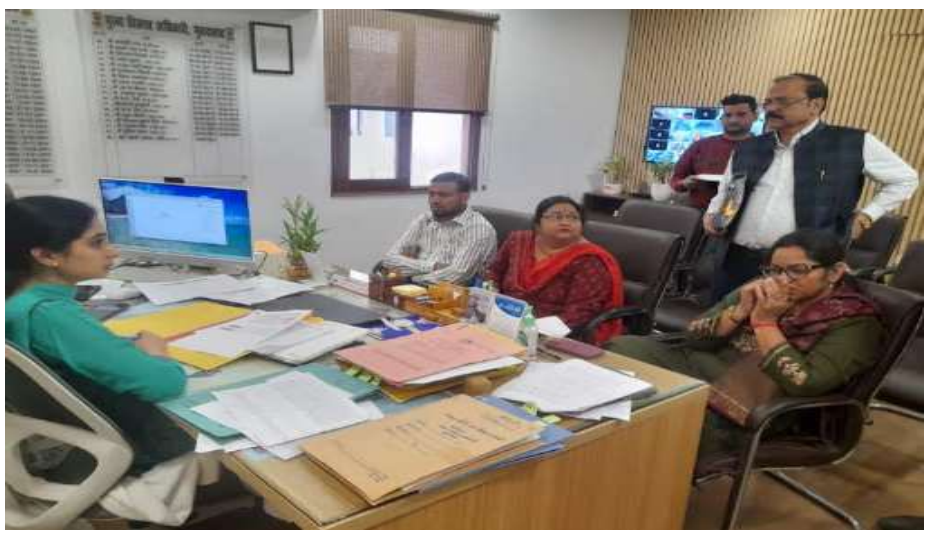
जिलाधिकारी ने विशेष रूप से जिले में संचालित कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में शिक्षण व्यवस्था को और अधिक गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी बनाने के लिए पूर्व में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि बालिकाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही अथवा उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी।

निर्देशों के अनुपालन में लापरवाही पाए जाने पर जिलाधिकारी ने डीसी कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय को पद से हटाने के संबंध में प्रथम नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही कस्तूरबा गांधी विद्यालयों की व्यवस्थाओं एवं विभागीय कार्यों का प्रभावी अनुश्रवण न किए जाने पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी को दिए।

जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि वे विभागीय कार्यों में सक्रिय रुचि लेते हुए नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा, विद्यालयों की शैक्षणिक गुणवत्ता, शिक्षकों की उपस्थिति एवं शिक्षण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं होनी चाहिए।

जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार केवल निर्देशों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका प्रभाव विद्यालयों और विद्यार्थियों के स्तर पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना चाहिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी, जिला विद्यालय निरीक्षक श्रीमती रितु तोमर, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री अमित सिंह सहित अन्य अधिकारी गण मौजूद रहे।

# मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में छात्रवृत्ति के लंबित आवेदनों के निस्तारण हेतु महत्वपूर्ण बैठक आयोजित



मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविजाश जोशी की अध्यक्षता में पूर्वदशम (कक्षा 09-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत विद्यालय स्तर पर लंबित छात्र-छात्राओं के आवेदन पत्रों के संबंध में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक गूगल मीट के माध्यम से आयोजित की गई।

इस दौरान कक्षा 09-10 एवं 11-12 के छात्र-छात्राओं के लंबित छात्रवृत्ति आवेदन पत्रों की विद्यालयवार विस्तृत समीक्षा की गई तथा लंबित प्रकरणों के कारणों की जानकारी प्राप्त की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देशित किया कि किसी भी पात्र छात्र-छात्रा का छात्रवृत्ति आवेदन किसी भी स्थिति में लंबित नहीं रहना चाहिए। सभी लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर सत्यापन करते हुए शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राओं के आवेदन पत्रों से सम्बंधित कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

सभी विद्यालय अपने लम्बित आवेदनों की सूची अद्यतन रखें और प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करें। बैठक में अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि आवेदन पत्रों में यदि कोई त्रुटि अथवा दस्तावेज की कमी है, तो सम्बंधित छात्र-छात्रा/अभिभावक से सम्पर्क कर उसे शीघ्र पूर्ण कराया जाए।

बैठक के अंत में मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं विद्यालय प्रभारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए दिनांक 23 नवम्बर 2026 तक लंबित छात्रवृत्ति आवेदनों का शत-प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में जनपद के समस्त संबंधित विद्यालयों के प्रधानाचार्य/प्रभारी एवं संबंधित अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

# नशामुक्त युवा ही विकसित भारत की मजबूत नींव : युवाओं ने 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत-2047' पर रखे विचार



मेरा युवा भारत, मुरादाबाद (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार) के तत्वावधान में शनिवार, 21 नवंबर 2026 को के.जी.के. पी.जी. कॉलेज, मुरादाबाद में विकसित भारत युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता का मुख्य विषय 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत-2047' रहा, जिसमें जनपद के विभिन्न विकास खंडों से आए युवाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए नशे के दुष्प्रभावों, नशामुक्त समाज के निर्माण तथा विकसित भारत के लक्ष्य में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री विशेष गुप्ता, निवर्तमान अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, उत्तर प्रदेश सरकार, श्री सुनील कुमार, जिला क्रीड़ा अधिकारी, मेजर दीपक भारद्वाज, राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज, मुरादाबाद, श्री दीपक मेंहदीरत्ता, कृषि वैज्ञानिक एवं वरिष्ठ समाजसेवी, श्री प्रशांत कुमार, जनपद सलाहकार, तंबाकू नियंत्रण मुरादाबाद, श्री सचिन कुमार, जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत, श्री जोगिंदर सिंह, ए.पी.ए., डॉ. संजय जौहरी, प्रोफेसर सहित अन्य अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 'वंदे मातरम्' गीत से हुई।

युवा संसद प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने नशे के बढ़ते दुष्प्रभावों, युवाओं के स्वास्थ्य एवं भविष्य पर इसके प्रतिकूल प्रभाव तथा नशामुक्त भारत के निर्माण के लिए किए जाने वाले प्रयासों पर अपने विचार रखे। निर्णायक मंडल के सदस्यों ने भी युवाओं को नशे से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि श्री विशेष गुप्ता ने अपने संबोधन में युवाओं से अपने उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए नशे से दूर रहने तथा शारीरिक गतिविधियों एवं खेलों से जुड़ने का आह्वान किया। जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री सुनील कुमार ने युवाओं को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ उन्हें अनुशासन और सकारात्मक सोच प्रदान करते हैं।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जगमीत सिंह, द्वितीय स्थान दीपांशु तथा तृतीय स्थान समृद्धि शर्मा ने प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि श्री विशेष गुप्ता, जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री सुनील कुमार, डॉ. प्रशांत कुमार, मेजर दीपक भारद्वाज एवं श्री दीपक मेंहदीरत्ता द्वारा प्रमाण-पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का मंच संचालन श्री प्रशांत कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर श्री सचिन कुमार, जिला युवा अधिकारी, मेरा युवा भारत ने युवाओं को नशे के विरुद्ध जागरूक एवं सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने उपस्थित युवाओं को 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत-2047' की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में युवाओं ने नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने तथा स्वस्थ, सशक्त एवं जिम्मेदार युवा शक्ति के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का संकल्प लिया।

# डिलारी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, न्यायालय से फरार चल रहा वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार



मुरादाबाद। जनपद में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने और कानून व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना डिलारी पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने न्यायालय से फरार चल रहे एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। जानकारी के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद के निर्देशानुसार तथा पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी ठाकुरद्वारा के कुशल पर्यवेक्षण में थाना डिलारी पुलिस द्वारा यह कार्रवाई की गई। दिनांक 21 नवंबर 2026 को पुलिस टीम ने न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट ठाकुरद्वारा, जनपद मुरादाबाद से फरार चल रहे एक वारंटी अभियुक्त को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ अग्रिम विधिक कार्रवाई प्रचलित है।

# पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर तहसील पूरनपुर में सुनीं जनता की समस्याएं



पीलीभीत(सुमित गुप्ता ) सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर पुलिस अधीक्षक पीलीभीत सुकीर्ति माधव एवं जिलाधिकारी पीलीभीत आलोक कुमार द्वारा तहसील पूरनपुर में उपस्थित रहकर जनता की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना गया। महोदय द्वारा प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों की समीक्षा करते हुए उनके समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। भूमि विवाद संबंधी प्राप्त शिकायतों के निस्तारण हेतु राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम गठित कर मौके पर जाकर जांचोपरांत शिकायतों का निष्पक्ष एवं न्यायोचित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान अन्य विभागों के अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई के उपरांत पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी महोदय द्वारा पात्र लाभार्थियों को पट्टे के प्रमाण पत्र एवं दैवीय आपदा राहत के अंतर्गत सहायता राशि के चेक वितरित किए गए

## संक्षिप्त समाचार

### जिले में 05 या अधिक ई-रिक्शा पंजीकृत कराने वाले 280 व्यक्ति चिन्हित, अगले सप्ताह बुलाई जाएगी बैठक

ई-रिक्शा के बेहतर प्रबंधन एवं संचालन को लेकर जिलाधिकारी ने दिए आवश्यक दिशा-निर्देश जिलाधिकारी श्री अनुनय झा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला स्तरीय उद्योग बंधु समिति की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उद्योग एवं उद्यमियों से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर विभागीय अधिकारियों द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने गत बैठक में दिए गए निर्देशों के अनुपालन की समीक्षा करते हुए ई-रिक्शा प्रबंधन से संबंधित प्रकरण पर विशेष रूप से जानकारी ली। गत बैठक में जिलाधिकारी ने ऐसे व्यक्तियों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे, जिनके नाम पर 05 या उससे अधिक ई-रिक्शा पंजीकृत हैं। इस संबंध में विभागीय स्तर से प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार जनपद में 280 ऐसे व्यक्तियों को चिन्हित किया गया है, जिनके नाम पर 05 या उससे अधिक ई-रिक्शा पंजीकृत हैं। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि इन सभी चिन्हित व्यक्तियों के साथ अगले सप्ताह बैठक आयोजित कर ई-रिक्शा के बेहतर प्रबंधन, संचालन तथा संबंधित आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की जाए।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि उद्योग एवं व्यापार से जुड़े मामलों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा उद्यमियों की समस्याओं के समाधान के लिए विभागीय स्तर पर प्रभावी कार्रवाई की जाए।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी सुश्री मृणाली अविनाश जोशी, उपायुक्त उद्योग श्री दीपेंद्र कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं उद्यमी बंधु उपस्थित रहे।

### राज्य महिला आयोग की सदस्य संगीता जैन ने महिला उत्पीड़न के मामलों की सुनवाई कर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य मा0 संगीता जैन शुक्रवार को सर्किट हाउस मुरादाबाद पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने महिलाओं के उत्पीड़न से संबंधित मामलों की सुनवाई की तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देशित



किया कि महिला उत्पीड़न के प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं प्रभावी ढंग से निस्तारित किया जाए। महिला जनसुनवाई के दौरान कुल 09 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका मौके पर ही निस्तारण किया गया। सदस्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग प्रदेश में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने अधिकारियों को महिलाओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के उपरांत महिला आयोग की सदस्य द्वारा थाना मझोला एवं जिला कारागार का निरीक्षण भी किया गया। जनसुनवाई के दौरान उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी, दिव्यांगजन कल्याण अधिकारी, सीओ सिविल लाइन, अधीक्षक कारागार, महिला थाना अध्यक्ष, मझोला थाना अध्यक्ष, खंड विकास अधिकारी गण, वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रबंधक गुंजन तिवारी, मनोसामाजिक काउंसलर तनिषा दिवाकर आदि उपस्थित रहे।

### एटीएस की पूछताछ के बाद युवक ने खाया जहर, अस्पताल में मौत, परिजन बोले- किया गया प्रताड़ित

रामपुर के स्वार में एटीएस की पूछताछ के बाद आसिफ ने जहरीला पदार्थ खा लिया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों ने पूछताछ के दौरान प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। स्वार कोतवाली क्षेत्र के गांव गोविंदपुरा में सुरक्षा जांच एजेंसी की पूछताछ के अगले दिन शुक्रवार की सुबह आसिफ अली (24) ने जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे नगर के एसबीआर अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल रामपुर भेज दिया। परिजनों के मुताबिक, बृहस्पतिवार को मुरादाबाद से आई एटीएस की टीम आसिफ को पूछताछ के लिए अपने साथ ले गई थी।शाम को उसे छोड़ दिया गया। आरोप है कि पूछताछ के दौरान उसे प्रताड़ित कर धमकाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

# आज और कल बूथों पर जुटेंगे बीएलओ, डीएम ने मैदान में उतरकर लिया जायजा

@ क्यूँ न लिखूँ सच

## 18 साल पूरे कर चुके युवाओं और महिलाओं के नाम जोड़ने पर विशेष फोकस?



बरेली । (ब्यूरो )आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मतदाता सूची को त्रुटिरहित और अपडेट करने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत शनिवार और रविवार 22 नवंबर को जनपद के सभी मतदान केंद्रों पर %विशेष अभियान दिवस% आयोजित किया जा रहा है। अभियान की हकीकत परखने के लिए जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने शनिवार को खुद मैदान में उतरकर सीबीगंज इंटर कॉलेज और राजकीय आईटीआई समेत कई मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान डीएम ने बूथों पर मौजूद व्यवस्थाओं और बीएलओ की कार्यप्रणाली को परखा। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके नए युवाओं और छूटी हुई महिलाओं के नाम मतदाता सूची में अनिवार्य रूप से शामिल किए जाएं। कोई भी पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित न रहे, इसके लिए उन्होंने बीएलओ को पार्षदों, कोटेदारों, एएनएम और आशा कार्यकत्रियों के साथ समन्वय बनाकर काम करने के निर्देश दिए।केंद्रों पर हेल्प डेस्क सक्रिय, घर बैठे भी मदद डीएम ने बताया कि नागरिकों की सहूलियत के लिए सभी मतदान केंद्रों पर हेल्प डेस्क बनाई गई है, जहां फॉर्म भरने में मदद मिल रही है। इसके अलावा मतदाता संबंधी किसी भी जानकारी या शिकायत के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1950 भी सक्रिय है। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे रविवार को अपने नजदीकी बूथ पर जाकर मतदाता सूची में अपना नाम जरूर जांच लें और स्वच्छ व शुद्ध मतदाता सूची तैयार करने में प्रशासन का सहयोग करें।

# समाधान दिवस में एक्शन में दिखे डीएम, मौके पर ही जुड़वाया राशन कार्ड में नाम?

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली । (ब्यूरो ) मीरगंज तहसील सभागार में शनिवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की भीड़ उमड़ी। डीएम ने जनसमस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए अधिकारियों को दो-टूक निर्देश दिए कि शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान उन्होंने ईवीएम प्रशिक्षण केंद्र का निरीक्षण कर स्वयं बटन दबाकर मतदान प्रक्रिया का अनुभव भी लिया।

मौके पर मिला समाधान, खिले चेहरे-समाधान दिवस में अवैध कब्जे, राजस्व और विकास कार्यों से जुड़ी कई शिकायतें सामने आईं। खानपुर मोहल्ला निवासी फरियादी ने राशन कार्ड में दो नए सदस्यों के नाम जुड़वाने की गुहार लगाई, जिस पर डीएम के निर्देश पर जिला पूर्ति अधिकारी ने मौके पर ही दोनों यूनिट जोड़कर फरियादी को बड़ी राहत दी।

अवैध कब्जों और बकाया भुगतान पर सख्ती- ग्राम विलास नगर में ग्राम समाज की भूमि और नगरिया कल्याणपुर में श्मशान की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायतों पर डीएम ने तहसीलदार और राजस्व टीम को मौके पर जाकर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

ग्राम हुरहुरी में इंटरलॉकिंग सड़क के लिए बीडीओ मीरगंज को निर्देशित किया गया, वहीं ग्राम फिरोजपुर निवासी का 2020 से लंबित पुष्टाहार उठान का किराया जल्द दिलाने का आदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी ने तहसील परिसर में बने ईवीएम प्रशिक्षण केंद्र का अवलोकन किया। उन्होंने स्वयं ईवीएम का बटन दबाकर डेमो वोट डाला और उपस्थित ग्रामीणों को इसकी सरल व पारदर्शी कार्यप्रणाली के बारे में जागरूक किया। डीएम ने राजस्व कर्मियों को नसीहत दी कि वे जनता के साथ शालीन व्यवहार रखें ताकि प्रशासन के प्रति आमजन का विश्वास मजबूत हो।

ये अधिकारी रहे मौजूद इस अवसर पर एसडीएम मीरगंज निधि शुक्ला, सीओ अजय कुमार, डीडीओ दिनेश कुमार यादव, पीडी डीआरडीए चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

# डीआरआई अफसर बन ट्रेन में लूटा था 1.10 करोड़ का सोना , 8 बिस्कुट व तमंचे संग दबोचा

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली । (ब्यूरो ) मीरगंज । फर्जी डीआरआई अधिकारी बनकर ट्रेन में व्यापारी से करोड़ों का सोना लूटने वाले शातिर बदमाश को मीरगंज पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 880 ग्राम पीली धातु के 8 बिस्कुट बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 1 करोड़ 10 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके अलावा उसके पास से एक अवैध तमंचा और कारतूस भी मिला है।

कस्बा चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक पंकज कुमार पुलिस टीम के साथ परौरा कट के पास संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने घेराबंदी कर बारादरी थाना क्षेत्र के नवादा शेखान निवासी राहुल मौर्य को दबोच लिया।

पूछताछ में उगला वारदात का राज-पुलिस लाइन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी अंशिका वर्मा ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि पुलिस पूछताछ में आरोपी राहुल ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

उसने बताया कि अपने साथियों रोहित, सचिन, वरुण और धर्मेंद्र पटेल के साथ मिलकर उसने बीती 22 अक्टूबर को बिहार के भभुआ रोड रेलवे स्टेशन पर इस वारदात को अंजाम दिया था। आरोपियों ने कोलकाता से आ रही हावड़ा-इंदौर चंबल एक्सप्रेस में खुद को डीआरआई का अधिकारी बताकर एक व्यापारी से ये सोने के बिस्कुट हड़प लिए थे।? एसपी साउथ अंशिका वर्मा ने आगे बताया कि आरोपी के तीन साथी रोहित, सचिन और वरुण पहले ही बिहार पुलिस के हत्थे चढ़कर जेल जा चुके हैं। बरामद हुए 8 बिस्कुट लूट के माल में राहुल के हिस्से के थे। वह बिहार पुलिस की गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदलकर छिप रहा था और अपनी सुरक्षा के लिए अवैध तमंचा साथ रखता था। मीरगंज पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 317(2) और आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

# परीक्षा गुरु कैरियर एकेडमी में यातायात जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

## एसपी ट्रैफिक अकमल खान ने छात्रों को पढ़ाया सड़क सुरक्षा का पाठ

@ क्यूँ न लिखूँ सच




बरेली । (ब्यूरो ) यातायात जागरूकता माह के तहत शनिवार को एंटी क्राइम एंटी करप्शन मिशन भारत ट्रस्ट द्वारा स्टेडियम रोड स्थित परीक्षा गुरु कैरियर एकेडमी में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि एसपी ट्रैफिक अकमल खान ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया।?एसपी ट्रैफिक ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सड़क पर एक छोटी-सी लापरवाही जानलेवा साबित हो सकती है। उन्होंने दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट व कार चलाते समय सीट बेल्ट अनिवार्य रूप से लगाने, ओवरस्पीडिंग से बचने और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का उपयोग न करने की अपील की। साथ ही, उन्होंने छात्रों से खुद नियमों का पालन करने और परिवार व समाज को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।ट्रस्ट के संस्थापक/अध्यक्ष कमलजीत सिंह ने बताया कि यातायात पुलिस के सहयोग से नवंबर माह में विभिन्न स्थानों पर ऐसे अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि सड़क हादसों में कमी लाई जा सके। कार्यक्रम में एकेडमी के डायरेक्टर अर्जुन यादव व सुमित सक्सेना, टीआई जितेंद्र कुमार, तथा संगठन की ओर से शहादत हुसैन व झंकार सक्सेना सहित अन्य पदाधिकारी एवं शिक्षकगण मौजूद रहे। अंत में सभी को सड़क सुरक्षा - जीवन रक्षा का संदेश दिया गया।

# खादी एवं स्वावलम्बन उत्सव में उमड़ रही खरीदारों की भारी भीड़



@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (ब्यूरो )। पीएम. श्री राजकीय इण्टर कालेज परिसर में चल रहे 10 दिवसीय मण्डल स्तरीय खादी एवं स्वावलम्बन उत्सव% में स्वदेशी उत्पादों की खरीदारी के लिए लोगों का उत्साह चरम पर है। अब तक करीब 2500 से 3000 लोगों ने प्रदर्शनी का भ्रमण कर उत्पादों को सराहा है। मेले के समापन में अब मात्र 6 दिन शेष हैं।?

बी.आई.जी. जैविक ऑर्गेनिक- यहाँ आयरन, कैल्शियम व विटामिन से भरपूर शुद्ध जैविक गुड़, शक्कर और ताजा गन्ने का रस उपलब्ध है, जो पाचन, हड्डियों, रक्त वृद्धि और ऊर्जा के लिए बेहद लाभकारी है।

फहीम उद्दीन हैण्डलूम व जम जम हैण्डलूम एक्सपोर्ट के स्टॉल पर 100% कॉटन बेडशीट, पर्दे, तौलिया, कुर्ते का कपड़ा, कम्बल, फाइबर रजाई और गर्म चादरों की शानदार रेंज मौजूद है।?

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों के लिए मिट्टी से निर्मित कूकर, कढ़ाई, हांडी, तवा, बोतल, थाली, गिलास और परात जैसे पारंपरिक बर्तन आकर्षण का केंद्र बने हैं।

बीकानेर के आयुर्वेदिक व चटपटे उत्पाद- श्री बांके बिहारी चूर्ण उद्योग के स्टॉल पर हींग पेड़ा, अनारदाना, शहद आंवला, रोस्टेड अलसी, चिया-पंपकिन सीड्स, केसर, शिलाजीत और चटपटी टॉफियां लोगों को खूब भा रही हैं।

स्वदेशी को बढ़ावा देने के लिए शहरवासी परिवार सहित सुबह 10 से रात 9 बजे तक नि:शुल्क प्रवेश का लाभ उठाकर खरीदारी कर सकते हैं।

# बरेली में प्रकाश पर्व की धूम : आज निकलेगा भव्य नगर कीर्तन

@ क्यूँ न लिखूँ सच




बरेली। (ब्यूरो )श्री गुरु नानक देव जी के पावन प्रकाश पर्व पर सेंट्रल गुरु पर्व कमेटी द्वारा तीन दिवसीय भव्य आयोजनों की रूपरेखा तैयार की गई है। अध्यक्ष स. परमजीत सिंह ओबेरॉय व महासचिव स. हरप्रीत सिंह खालसा ने प्रेस वार्ता में बताया कि 22 नवंबर को सुभाष नगर गुरुद्वारे से विशाल नगर कीर्तन निकलेगा, जो अयूब खान चौराहा होते हुए चौकी चौराहे पर संपन्न होगा। इसमें गतका पार्टियां व स्कूली बच्चे आकर्षण का केंद्र रहेंगे। 23 नवंबर की शाम 7 से रात 11 बजे तक और 24 नवंबर को सुबह 8:30 से शाम 4 बजे तक बरेली कॉलेज के हॉकी ग्राउंड में मुख्य कीर्तन दरबार सजेगा। समागम में प्रिंसिपल सुखवंत सिंह, उस्ताद सतनिंदर सिंह, रागी हरिहर सिंह, ज्ञानी कुलविंदर सिंह व ज्ञानी लखविंदर सिंह संगत को गुरुबाणी से निहाल करेंगे। 24 की रात प्रमुख गुरुद्वारों में विशेष दीवान सजेंगे। कमेटी ने शहरवासियों से सपरिवार शामिल होने की अपील की है। प्रेस वार्ता में परमजीत सिंह दुआ, मनमीत सिंह, मालिक सिंह कालरा, एनपी सिंह, दलवीर सिंह, अमनदीप सिंह आदि मौजूद रहे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

### विधायक एवं डीएम ने हवन- पूजन के बाद, फीता काटकर किया चौबारी गंगा मेले का शुभारंभ

बरेली । (ब्यूरो ) । बरेली में रामगंगा तट पर चौबारी मेले का शुक्रवार को शुभारंभ हो गया। मेला 28 नवंबर तक चलेगा।



मेले का शुभारंभ बिथरी विधायक डॉ. राघवेंद्र सिंह व जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने मेले का विधिवत हवन पूजन, फीता काटकर शुभारंभ किया। जिलाधिकारी ने कहा कि चौबारी मेला हमारी सांस्कृतिक विरासत और संस्कृति का परिचायक है, जिसे स्वच्छ व सुरक्षित रखना सभी की प्राथमिकता है। चौबारी मेला को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित ढंग से संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को पुलिस अधिकारियों ने पुलिस बल की ब्रीफिंग कर ड्यूटी और जिम्मेदारियों के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। ब्रीफिंग के दौरान पुलिसकर्मियों को उनके निर्धारित ड्यूटी स्थलों और जिम्मेदारियों की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने कहा कि सभी पुलिसकर्मी पूरी सतर्कता और मुस्तैदी से ड्यूटी करें। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं और आम लोगों के साथ शालीन व्यवहार रखें। भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल उच्चाधिकारियों को दें। अधिकारियों ने आपसी समन्वय बनाए रखने और किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। ब्रीफिंग में एसपी सिटी, एसपी ट्रैफिक, सीओ सिटी, सीओ नगर द्वितीय, सीओ आंवला और सीओ फरीदपुर समेत अन्य पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

### दिन घने कोहरे का येलो अलर्ट, पहाड़ों की बर्फबारी से बढ़ेगी ठंड

बरेली । (ब्यूरो ) मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विभाग ने 22 और 23 नवंबर को घने कोहरे की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। अनुमान है कि सुबह और शाम के समय दृश्यता प्रभावित होगी। इसके साथ ही तापमान में भी गिरावट दर्ज होगी। बीते कुछ दिनों से चक्रवाती तूफान अकवान के प्रभाव के चलते दिन के तापमान में बढ़ोतरी हुई थी। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पहाड़ों की बर्फबारी का मैदानी इलाकों पर असर पहाड़ी क्षेत्रों में हो रही बर्फबारी का असर अब मैदानी इलाकों में भी दिखाई देने लगा है। पहाड़ों से आने वाली ठंडी हवाओं के कारण तापमान में गिरावट आने की संभावना है। इससे बरेली समेत आसपास के जिलों में ठंड का असर बढ़ सकता है। सुबह और रात के समय सर्द हवाएं लोगों को अधिक परेशान कर सकती हैं।मौसम विभाग के अनुसार, 22 और 23 नवंबर को घने कोहरे की स्थिति बन सकती है। खासकर सुबह के समय सड़कों पर दृश्यता कम होने से यातायात प्रभावित होने की आशंका है। हाईवे और ग्रामीण मार्गों पर वाहन चालकों को धीमी गति से चलने और फॉग लाइट का इस्तेमाल करने की सलाह दी जाती है। मौसम में बदलाव के साथ ही लोगों को गर्म कपड़े निकालने की जरूरत पड़ सकती है। बुजुर्गों और बच्चों को ठंड से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।



### 125 कैंट विधानसभा का बालजती स्कूल पर मतदाता बूथ हुआ आयोजित

बरेली । आपका नाम मतदाता सूची में दर्ज है या नहीं, नाम पते में कोई गलती तो नहीं है, इसकी जांच करने का मौका शनिवार के साथ इतवार को भी मिलेगा। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) के तहत प्रदेश के मतदान केंद्रों पर विशेष अभियान शनिवार को आयोजित हुआ। एआरओ तौफीक अहमद सभी सुपरवाइजर और बीएलओ के साथ बूथ पर मौजूद रहे। बीएलओ सुमैला परवीन ने बताया मतदाताओं को सूची से जुड़ी जानकारी देंगे और आवेदन की प्रक्रिया में मदद करेंगे। सभी पात्र नागरिक सहित 1 जनवरी 2027 तक 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा भी मतदाता बनने के आवेदन कर सकेंगे। शनिवार को नए मतदाताओं ने अपने आवेदन दिए



# शाहजहांपुर में आयोजित पांच जिलों के सम्मेलन में बरेली से सैकड़ों कांग्रेसियों ने की शिरकत

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने दिया बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने और मतदाता सूची में कटे नाम जुड़वाने का आह्वान किया। जानकारी के अनुसार बरेली जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मिर्जा असफाक सक्लैनी एवं महानगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में शाहजहांपुर में आयोजित पांच जिलों के संयुक्त सम्मेलन में बरेली से सैकड़ों पदाधिकारीयों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से आयोजित इस सम्मेलन का आयोजन वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान के तहत किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष श्रीमती आराधना मिश्रा मोना रहीं। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि आज देश की जनता भारतीय जनता पार्टी की नीतियों और उसके कामकाज को समझ चुकी है। जिन लोगों ने कभी भाजपा के बहकावे में आकर उसे वोट दिया था, उनमें से कई लोग आज खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। जनता कांग्रेस की ओर उम्मीद भरी नजरों से देख रही है। ऐसे समय में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। हमें कोई चूक नहीं करनी है, बल्कि अपने-अपने बूथ पर पूरी मेहनत और जिम्मेदारी के साथ काम करना है। उन्होंने आगे कहा कि जिन



मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से काटे गए हैं, उनके नाम दोबारा जुड़वाने के लिए सभी पदाधिकारीयों एवं कार्यकर्ताओं को विशेष प्रयास करने चाहिए। प्रत्येक कार्यकर्ता घर-घर जाकर मतदाता सूची की जांच करे और लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाए। इस अवसर पर बरेली से शाहजहांपुर पहुंचे कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। कार्यक्रम में बरेली जिला अध्यक्ष मिर्जा अशफाक सकलैनी, महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा, प्रवक्ता पंडित राज शर्मा, संगठन प्रभारी जुनैद हसन एडवोकेट, जिला सचिव डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष रामदेव पांडे,



पूर्व विधायक नरेंद्र पाल सिंह गंगवार, बरेली सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रामरतन पांडेय, पूर्व महानगर अध्यक्ष अजय शुक्ला, कृष्णकांत शर्मा, पश्चिमी युवा कांग्रेस अध्यक्ष पारस शुक्ला, रमेश श्रीवास्तव, मुकेश वाल्मीकि, कमरुद्दीन सैफी, योगेश जौहरी, अनिल देव शर्मा, विजय मौर्य, पीलीभीत की कोऑर्डिनेटर राबिया शबनम, फतेहगंज पश्चिमी ब्लॉक अध्यक्ष डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह, चेयरमैन इलियास अंसारी, नदीम अख्तर, नरेश, अनुराग राठौर, साहिल राठौर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# दो बूंद जिंदगी की: पोलियो के खिलाफ जनजागरूकता का संदेश लेकर निकली भव्य रैली, विधायक और जिलाधिकारी ने दिखाई हरी झंडी

@ क्यूँ न लिखूँ सच



राष्ट्रीय पल्स पोलियो महाअभियान के प्रति जनसामान्य को जागरूक करने और पांच वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाने के उद्देश्य से आज जिला पुरुष चिकित्सालय उरई से भव्य जनजागरूकता रैली निकाली गई। मा0 विधायक सदर गौरीशंकर वर्मा, जिलाधिकारी समीर, पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत एवं मुख्य विकास अधिकारी के0के0 सिंह ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया। रैली के माध्यम से लोगों को पोलियो से बचाव के प्रति जागरूक करते हुए 22 नवंबर को आयोजित होने वाले बूथ दिवस पर अपने बच्चों को पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाने का संदेश दिया गया। रैली में प्राथमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, नगर क्षेत्र की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सहायिकाओं, आशा कार्यकत्रियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। जिला पुरुष चिकित्सालय परिसर से प्रारंभ हुई रैली शहीद भगत सिंह चौराहे से होते हुए पुनः जिला पुरुष चिकित्सालय पहुंचकर संपन्न हुई। इस दौरान बच्चों को पोलियो से सुरक्षित रखने के लिए जनभागीदारी का आह्वान किया गया।

विधायक सदर गौरीशंकर वर्मा ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक अभिभावक की जिम्मेदारी है कि वह अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी पोलियो बूथ पर ले जाकर दवा अवश्य पिलाएं। साथ ही अपने आसपास और पड़ोस के बच्चों को भी बूथ तक पहुंचाने के लिए लोगों को प्रेरित करें, ताकि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक पीने से छूटने न पाए।

जिलाधिकारी समीर ने जनपदवासियों से अपील करते हुए कहा कि 22 नवंबर को पोलियो बूथ दिवस के अवसर पर अपने 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को नजदीकी बूथ पर ले जाकर पोलियो की दो बूंद अवश्य पिलाएं। अपने परिवार के साथ-साथ पड़ोस और आसपास के बच्चों को भी इस अभियान से जोड़ें। सभी के सामूहिक प्रयासों से ही बच्चों को पोलियो जैसी बीमारी से सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे का स्वास्थ्य और सुरक्षित भविष्य हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उमेश कुमार ने जनपदवासियों, समाजसेवियों एवं धर्मगुरुओं से विशेष अपील की कि बूथ दिवस पर शत-प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने के लिए आगे आएं। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारा एवं चर्च सहित सभी धार्मिक स्थलों के माध्यम से लोगों को जागरूक एवं प्रेरित करें, जिससे कोई भी बच्चा पोलियो की दवा पीने से वंचित न रहे। जनपद में इस महाअभियान के अंतर्गत 1,188 पोलियो बूथ एवं 590 टीमों के माध्यम से 0 से 5 वर्ष तक के कुल 2,16,833 लक्षित बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा व्यापक तैयारियां की गई हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिनंदन प्रसाद ने रैली में प्रतिभाग करने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, स्टाफ नर्स, एएनएम, आशा एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, स्कूली बच्चों तथा सहयोगी विभागों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. हरिनंदन प्रसाद, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. वीरेंद्र सिंह, डॉ. एपी वर्मा, डॉ. अरविंद भूषण, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उमेश कुमार, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला चिकित्सालय उरई डॉ. अनिल राज, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला महिला चिकित्सालय उरई डॉ. एसके पाल सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

# खेत से 15 हजार की बिजली केबल चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, एक लाख का माल जब्त

@ क्यूँ न लिखूँ सच




सिरसौद। थाना सिरसौद पुलिस ने बिजली केबल चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई करीब 150 फीट बिजली केबल और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की है। जब्त मशरूका की कुल कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम सिरसौद निवासी भरत शर्मा (40) पुत्र ओमप्रकाश शर्मा ने 19 नवंबर 2026 को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनके डंडे वाले खेत से करीब 15 हजार रुपये कीमत की 150 फीट बिजली केबल काटकर चोरी कर ली गई है। फरियादी ने ग्राम टोंका निवासी अमर सिंह जाटव और ढिल्लन बाथम पर चोरी का आरोप लगाया था। शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 289/26 के तहत धारा 303(2) बीएनएस में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की। चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आर.डी. प्रजापति एवं एसडीओपी पोहरी आनंद राय के मार्गदर्शन में थाना सिरसौद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से करीब 85 हजार रुपये कीमत की मोटरसाइकिल तथा 15 हजार रुपये कीमत की चोरी गई बिजली केबल बरामद की। इस प्रकार कुल एक लाख रुपये का मशरूका जब्त किया गया। पुलिस टीम की रही अहम भूमिका-कार्रवाई में थाना प्रभारी सिरसौद उपनिरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह गुर्जर, सहायक उपनिरीक्षक बृजपाल सिंह तोमर, प्रधान आरक्षक वीरेन्द्र सिंह, बृजेन्द्र सिंह गुर्जर, आशीष सिंह एवं आरक्षक प्रांशु जादौन की सराहनीय भूमिका रही।

# 30 दिव्यांगजनों को मिले बैटरी चालित कृत्रिम हाथ, दो दिवसीय शिविर में 85 लोगों को मिला लाभ

@ क्यूँ न लिखूँ सच




दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने और उनके जीवन को सरल बनाने के उद्देश्य से रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ द्वारा एक सराहनीय सेवा कार्य किया गया । इनाली फाउंडेशन (Inali Foundation) और रोटरी क्लब ऑफ पुणे डाउनटाउन के सहयोग से आयोजित शिविर में 30 दिव्यांगजनों को बैटरी चालित कृत्रिम हाथ प्रदान किए गए । इस विशेष सेवा प्रकल्प के लिए पुणे से प्रदीप मुनोत, हसन मियां एवं शिवा की टीम बरेली पहुंची। टीम ने दिव्यांगजनों को कृत्रिम हाथ लगाने के साथ ही उनके उपयोग की जानकारी भी दी। इन कृत्रिम हाथों की सहायता से दिव्यांगजन दैनिक जीवन के अनेक कार्य अधिक आसानी से कर सकेंगे और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ सकेंगे । इस अवसर पर रवि प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि यह दो दिवसीय शिविर दिव्यांगजनों के जीवन में नई उम्मीद और खुशियां लेकर आया है। शिविर में उपरांत बरेली एवं आसपास के क्षेत्रों के कुल 85 दिव्यांगजनों को इस प्रकार के बैटरी चालित कृत्रिम हाथ उपलब्ध कराए गए । इन हाथों की सहायता से वे दैनिक जीवन के अनेक कार्य स्वयं कर सकेंगे और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ पाएंगे। किसी जरूरतमंद व्यक्ति को आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का नया अवसर




देना ही सच्ची मानव सेवा है। उन्होंने इनाली फाउंडेशन एवं रोटरी क्लब ऑफ पुणे डाउनटाउन के सहयोग की सराहना की ।क्लब अध्यक्ष रोहित जिंदल ने इनाली फाउंडेशन एवं रोटरी क्लब ऑफ पुणे डाउनटाउन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस पुनीत कार्य में उनका सहयोग अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने कहा कि रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा शिविर आयोजित करता रहेगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद दिव्यांगजनों को लाभ मिल सके ।डॉ रवि मेहरा ने कहा कि रोटरी क्लब का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना तथा सेवा के माध्यम से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना है। कार्यक्रम में डॉ. आई.एस. तोमर, रवि प्रकाश अग्रवाल, डॉ. रवि मेहरा, संजय गर्ग, अध्यक्ष रोहित जिंदल, ध्रुव तिलक, प्रदीप मधवार, अनुपम कपूर, अनिल अग्रवाल, रमेश वार्ष्णेय, मुकेश जैन, राकेश धीरवानी, सचिव शिशिर पांडे, दिनेश प्रधान, राजीव जैन, चरण कमल सिंह, डॉ. एस.के. भारद्वाज, डॉ. अनमोल अग्रवाल, मनोज सेठी, वीरेश मित्तल एवं संदीप मेहरा सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

# पलायन का पोस्टर किया चस्पा: दुष्कर्म के बाद अश्लील वीडियो से ब्लैकमेलिंग, धमकियों से डरकर परिवार ने छोड़ा घर

अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी से भयभीत परिवार घर छोड़कर चला गया। पीड़िता ने आरोपियों पर हथियारों के बल पर दुष्कर्म और ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। परिवार ने पुलिस पर शिकायत के बावजूद कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए सुरक्षा की गुहार लगाई है।सैफनी क्षेत्र में एक महिला से सामूहिक दुष्कर्म की शिकायत और उसके बाद कथित धमकियों का मामला सामने आया है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई न होने और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी से भयभीत होकर महिला का परिवार घर छोड़कर चला गया। मकान के दरवाजे पर ताला लटका है और बाहर पलायन की सूचना का पोस्टर चस्पा है। परिवार ने अपनी सुरक्षा को लेकर पुलिस से गुहार लगाई है। उधर, पुलिस का कहना है कि शिकायत की जांच की जा रही है। क्षेत्र की एक महिला का आरोप है कि कुछ लोगों ने हथियारों के बल पर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया।आरोपियों ने उसका अश्लील वीडियो भी बना लिया और अब उसे वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल कर रहे हैं। पीड़िता के मुताबिक, उसने 28 अक्तूबर को एसपी से शिकायत की थी। आरोप है कि इसके बावजूद अब तक न तो उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया और न ही आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। परिवार का आरोप है कि शिकायत पर कार्रवाई न होने से आरोपी बेखौफ होकर घूम रहे हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### मदन स्वरूप इंटर कालेज में अठाईस को होगी नवोदय प्रवेश परीक्षा

कुंदरकी @ **क्यूँ न लिखूँ सच** हरियाना गाँव स्थित मदन स्वरूप इंटर कॉलेज में जवाहर नवोदय विद्यालय प्रवेश परीक्षा का आयोजन अठाईस नवंबर को होगा। प्रधानाचार्य एवं केंद्र व्यवस्थापक डॉ. अजय प्रकाश शर्मा तथा परीक्षा प्रभारी वीरपाल सिंह ने बताया कक्षा छह में प्रवेश के लिए होने वाली यह परीक्षा कॉलेज परिसर में सुबह 11:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक संपन्न होगी। इस परीक्षा केंद्र पर कुल 352 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई है। परीक्षा को लेकर जारी दिशा-निर्देशों के तहत सभी अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से कम से कम आधा घंटा पूर्व (सुबह 11 बजे तक) केंद्र पर पहुंचना अनिवार्य है। परीक्षार्थियों को अपने साथ प्रवेश पत्र, आधार कार्ड (मूल प्रति) और ओएमआर शीट भरने के लिए केवल नीला या काला बॉल प्वाइंट पेन लाना होगा। परीक्षा कक्ष में किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण ले जाने पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

### जननायक एक्सप्रेस में बवाल- तीन बेटियों समेत छह पर केस, जीआरपी सिपाही के मां को पीटने का वीडियो भी आया सामन

जननायक एक्सप्रेस में सीट को लेकर हुए विवाद में जीआरपी के दो सिपाहियों की तहरीर पर महिला और उसकी तीन बेटियों समेत छह लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उधर, महिला को पीटते जीआरपी सिपाही का वीडियो वायरल होने के बाद जीआरपी की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे हैं।दरभंगा से अमृतसर जा रही जननायक एक्सप्रेस में सीट को लेकर शुरू हुआ विवाद जीआरपी के दो सिपाहियों और बिहार निवासी एक परिवार के बीच मारपीट में बदल गया। घटना के दौरान एक महिला के साथ जीआरपी सिपाही की मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में सिपाही महिला पर लगातार घूंसे बरसाता दिखाई दे रहा है।महिला की बेटियां उसे बचाने के लिए सिपाही को पीछे खींचती नजर आ रही हैं। मारपीट में महिला के सिर में चोट लगी और खून निकलने लगा। मामले में जीआरपी के दोनों सिपाहियों ने महिला और उसके परिवार पर मारपीट करने, गाली-गलौज करने और वर्दी फाड़ने का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई थी।वहीं, अब सामने आए वीडियो में महिला के साथ सिपाही की मारपीट दिखाई दे रही है। महिला पक्ष ने भी सिपाहियों पर मारपीट का आरोप लगाया है। हालांकि, इस पक्ष की ओर से पुलिस को कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है।सीट पर बैठने को लेकर शुरू हुआ विवाद

जीआरपी अधिकारियों के मुताबिक 18 नवंबर की शाम जननायक एक्सप्रेस मुरादाबाद रेलवे स्टेशन से नजीबाबाद के लिए रवाना हुई थी। ट्रेन के एक कोच में बिहार निवासी एक महिला सीट पर लेटी हुई थी। इसी दौरान दूसरे परिवार की एक महिला गोद में बच्चा लेकर वहां पहुंची और बैठने के लिए सीट मांगी। इस बात को लेकर दोनों परिवारों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।ट्रेन में एस्कॉर्ट ड्यूटी पर तैनात जीआरपी मुरादाबाद के सिपाही ललित सागर और अजय कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने बीच-बचाव करते हुए सीट पर लेटी महिला से बच्चा गोद में लिए खड़ी महिला को बैठने के लिए जगह देने को कहा। इसी बात पर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि बिहार निवासी महिला ने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू कर दिया। इसके बाद उसकी तीन पुत्रियां और दो युवक भी विवाद में शामिल हो गए। सिपाहियों ने लगाया मारपीट और वर्दी फाड़ने का आरोप- जीआरपी सिपाही ललित सागर और अजय कुमार की ओर से दी गई तहरीर के मुताबिक, शाम करीब 6:40 बजे दोनों सिपाही दोबारा कोच में पहुंचे तो दोनों परिवारों के बीच फिर विवाद हो रहा था। उन्होंने बीच-बचाव कर मामला शांत कराने का प्रयास किया। आरोप है कि इस दौरान महिला और उसके साथ मौजूद लोगों ने गाली-गलौज शुरू कर दी।विरोध करने पर उनके साथ हाथापाई की गई। एक सिपाही की वर्दी खींचकर फाड़ दी गई और शर्ट के दो बटन टूट गए। सिपाहियों ने अधिकारियों को घटना की सूचना दी। हिला पर लगातार घूंसे बरसाता नजर आ रहा है। इस दौरान महिला की बेटियां अपनी मां को बचाने के लिए बीच में आती हैं और सिपाही को पीछे खींचने का प्रयास करती हैं। वीडियो में महिला के सिर से खून निकलता भी दिखाई दे रहा है। महिला के साथ मारपीट के दृश्य सामने आने के बाद घटना को लेकर सवाल उठ रहे हैं। दो युवकों को पकड़कर मुरादाबाद ले गई पुलिस-मुरादाबाद कंट्रोल से सूचना मिलने पर नजीबाबाद जीआरपी और आरपीएफ ने ट्रेन के नजीबाबाद पहुंचने पर कार्रवाई की। ट्रेन करीब चार घंटे की देरी से पहुंची थी। पुलिस ने मारपीट के आरोपी दो युवकों को पकड़ लिया। वहीं, महिला और उसकी बेटियां दूसरी ट्रेन से रवाना हो गईं। घटना की जानकारी मिलने पर आरपीएफ कमांडेंट ऋषि कुमार शुक्ला और मुरादाबाद जीआरपी इंस्पेक्टर कमल किशोर देर रात नजीबाबाद पहुंचे। उन्होंने आरपीएफ प्रभारी विपिन कुमार की मौजूदगी में दोनों सिपाहियों और बिहार निवासी परिवार से पूछताछ कर घटना की जानकारी ली।चार महिलाओं समेत छह के खिलाफ प्राथमिकी-जीआरपी सिपाही ललित सागर और अजय कुमार की तहरीर पर बिहार के बेतिया निवासी रूबी देवी, उसकी तीन पुत्रियों लक्ष्मी, सुनीता और खुशी, समस्तीपुर निवासी पिक्कू कुमार तथा दरभंगा के बहेड़ी निवासी चंदन ठाकुर के खिलाफ मारपीट, वर्दी फाड़ने समेत अन्य गंभीर धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

# विदिशा में राज्यपाल मंगू भाई पटेल आयोजन में सम्मिलित

## ब्रह्माकुमारीज के 'संगम' अभियान के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों का सम्मान एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

@ क्यूँ न लिखूँ सच





विदिशा। (हाकम सिंह रघुवंशी) वरिष्ठ नागरिक हमारे परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव, जीवन मूल्य और संस्कार नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शन का आधार हैं। उनका सम्मान करना, उनकी देखभाल करना और उन्हें गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करना हमारी सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेदारी है। यह विचार मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष माननीय डॉ. अवधेश प्रताप सिंह जी ने व्यक्त किए। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा ऑडिटोरियम में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण हेतु आयोजित विशेष कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। ब्रह्माकुमारीज संस्थान के समाज सेवा प्रभाग, राजयोग एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन तथा भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के समझौते के तहत राष्ट्रव्यापी अभियान 'संगम – गौरवपूर्ण वृद्धावस्था एवं सम्मानित जीवन' के अंतर्गत इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय राज्यपाल मंगुभाई पटेल जी मध्य प्रदेश शासन, मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष मध्य प्रदेश डॉ. अवधेश प्रताप सिंह, विधायक मुकेश टंडन, हरि सिंह सप्रे, मुख्य वक्ता राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शैली दीदी छतरपुर उपस्थित रहे कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। ब्रह्माकुमारी रुक्मणी बहन ने सभी अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर बैतूल से पधारे मंजू दीदी ने अभियान के उद्देश्य एवं रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान, सुरक्षा, अधिकारों और कल्याण के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनका उद्देश्य समाज में बुजुर्गों के प्रति सम्मान और संवेदनशीलता की भावना विकसित करना तथा नई पीढ़ी को उनके प्रति अपने दायित्वों का बोध कराना है। उन्होंने कहा कि पहले संयुक्त परिवारों की परंपरा थी, जहां बुजुर्ग परिवार के बीच सम्मान और अपनत्व के साथ जीवन व्यतीत करते थे। लेकिन वर्तमान में एकल परिवारों के बढ़ते चलन के कारण अनेक वरिष्ठ नागरिक अकेलेपन का अनुभव कर रहे हैं। ऐसे में उन्हें परिवार और आध्यात्मिकता से जोड़कर मानसिक एवं भावनात्मक रूप से सशक्त बनाना आवश्यक है। साथ ही साइबर धोखाधड़ी से बचाव, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों तथा संयुक्त परिवार के महत्व के प्रति भी जागरूकता लाना इस अभियान का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि बदलते सामाजिक परिवेश में एकल परिवारों का चलन बढ़ने से परिवारों में आपसी संवाद और संस्कारों की कमी देखने को मिल रही है। ऐसे समय में वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदनशीलता, आदर और सहयोग की भावना विकसित करना अत्यंत आवश्यक है। बुजुर्गों को केवल परिवार का सदस्य नहीं, बल्कि अनुभव और ज्ञान का महत्वपूर्ण स्रोत मानना चाहिए। समाज को यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें जीवन के इस पड़ाव पर अकेलेपन के बजाय अपनत्व, सुरक्षा और सम्मान मिले। हमारे वरिष्ठजन परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभवों में जीवन की सीख है, उनके आशीर्वाद में परिवार की शक्ति है और उनके संस्कारों में राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की नींव है।भारतीय संस्कृति में बुजुर्गों का सम्मान हमारी परंपरा का अभिन्न अंग रहा है। हमारे शास्त्रों में कहा गया है –मातृ देवो भव, पितृ देवो भव, आचार्य देवो भव। यह संदेश हमें सिखाता है कि माता–पिता और गुरुजनों का सम्मान करना हमारा नैतिक एवं सांस्कृतिक दायित्व है वरिष्ठजनों को चाहिए सम्मान और अपनापन आज बदलती जीवनशैली और एकल परिवारों के विस्तार के कारण अनेक वरिष्ठ नागरिक अकेलेपन और उपेक्षा का अनुभव करते हैं।हमें यह समझना होगा कि बुजुर्गों को केवल आर्थिक सहायता अथवा भौतिक सुविधाओं की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें परिवार का साथ, बच्चों का समय, आत्मीय संवाद और सम्मान भी चाहिए। हमें ऐसा समाज बनाना है, जहाँ कोई भी वरिष्ठ नागरिक स्वयं को अकेला, असहाय अथवा अनुपयोगी महसूस न करे। बुजुर्गों की सेवा केवल हमारा कर्तव्य नहीं, बल्कि अपने संस्कारों के प्रति हमारी सच्ची निष्ठा है। आध्यात्मिकता से जीवन बने आनंदमय– इस दिशा में ब्रह्माकुमारी संस्थान का आध्यात्मिक योगदान महत्वपूर्ण है। संस्था द्वारा सिखाया जाने वाला राजयोग ध्यान व्यक्ति को आत्मिक शांति, सकारात्मक चिंतन, आत्मविश्वास और मानसिक संतुलन की प्रेरणा देता है।

जब व्यक्ति स्वयं को शांत एवं शक्तिशाली आत्मा के रूप में अनुभव करता है, तब जीवन के प्रति उसका दृष्टिकोण सकारात्मक बनता है।

आयु बढ़ने के साथ-साथ मन में उमंग, उत्साह, आत्मविश्वास और जीवन के प्रति आनंद भी बना रहना चाहिए।

मुझे प्रसन्नता है कि आज इस कार्यक्रम में राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सुनीता दीदी जी द्वारा राजयोग ध्यानाभ्यास कराया जाएगा तथा मुख्य वक्ता राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी शैलजा दीदी जी ने अपने विचारों से सभी को प्रेरित किया और बुजुर्गों के सम्मान को समाज में बनाए रखने हेतु ब्रह्माकुमारी संस्था के प्रयासों की जानकारी दी।

मेरे विचार से किसी भी राष्ट्र की वास्तविक शक्ति केवल उसकी आर्थिक एवं भौतिक संपन्नता में नहीं, बल्कि उसके नैतिक मूल्यों और सामाजिक संस्कारों में निहित होती है।हमारे वरिष्ठ नागरिकों के पास दशकों का अनुभव, जीवन की कठिन परिस्थितियों से प्राप्त सीख और समाज को दिशा देने की क्षमता है। हमें उनके अनुभवों का लाभ नई पीढ़ी तक पहुँचाना चाहिए। युवाओं को बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त हो और बुजुर्गों को युवाओं का सहयोग एवं स्नेह मिले। यही पीढ़ियों के बीच वास्तविक संगम है।

आज इस अवसर पर मैं सभी से आग्रह करना चाहूँगा कि हम पाँच संकल्प लें 1. अपने घर के वरिष्ठजनों को पूरा सम्मान और समय देंगे।

2. उनकी स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का विशेष ध्यान रखेंगे।
3. उनके अनुभवों और सुझावों को महत्व देंगे।
4. नई पीढ़ी में बुजुर्गों के प्रति सेवा और सम्मान के संस्कार विकसित करेंगे।
5. वरिष्ठ नागरिकों को सामाजिक एवं आध्यात्मिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के अवसर प्रदान करेंगे।

अंत में मैं यही कहना चाहूँगा कि किसी समाज की सभ्यता और संवेदनशीलता की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने वरिष्ठ नागरिकों को कितना सम्मान प्रदान करता है। आइए, हम ऐसा समाज बनाएँ जहाँ वृद्धावस्था विवशता नहीं, गौरव बने; जहाँ बुजुर्गों को केवल जीने का सहारा नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक और आनंदमय जीवन जीने का अवसर मिले।

माननीय केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी की शुभ प्रेरणा, माननीय श्री अवधेश प्रताप सिंह जी की शुभकामनाएँ तथा ब्रह्माकुमारी संस्थान की समर्पित बहनों के आध्यात्मिक एवं सामाजिक प्रयास निश्चित रूप से इस संदेश को जन-जन तक पहुँचाने में सहयोगी होंगे। मैं इस आयोजन की सफलता के लिए सभी आयोजकों को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ तथा सभी वरिष्ठ नागरिक भाइयों एवं बहनों के स्वस्थ, सुखी, सक्रिय और सम्मानित जीवन की मंगलकामना करता हूँ।

आइए, हम सब मिलकर संकल्प लें–हर वरिष्ठजन को सम्मान मिले, हर अनुभव को पहचान मिले और जीवन के हर पड़ाव पर खुशियों का स्थान मिले।

# स्वगणना में सहभागिता के लिए विद्यार्थियों से अपील

@ क्यूँ न लिखूँ सच



मुख्य विकास अधिकारी गामिनी सिंगला ने शनिवार को सिविल लाइन स्थित शिव देवी सरस्वती विद्या मंदिर पहुंचकर छात्र-छात्राओं को जनगणना-2027 के अंतर्गत स्वगणना की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि स्वगणना किस प्रकार की जाती है तथा ऑनलाइन माध्यम से अपने परिवार का विवरण किस तरह दर्ज करना है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से स्वयं स्वगणना करने के साथ-साथ अपने परिवार, रिश्तेदारों एवं आसपास के लोगों को भी इसके लिए जागरूक करने तथा अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित कराने की अपील की विद्यार्थियों को किया पुरस्कृत प्रशिक्षण के उपरांत मुख्य विकास अधिकारी ने विद्यार्थियों से स्वगणना की प्रक्रिया से संबंधित कई प्रश्न पूछे और प्रशिक्षण के दौरान उनकी समझ को परखा।

छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रश्नों के उत्तर दिए। सटीक जवाब देने पर कक्षा छह के छात्र संभव, सत्यम एवं छात्रा आयुषि को नकद पुरस्कार प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया। सीडीओ ने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें प्रत्येक नागरिक की सहभागिता आवश्यक है। स्वगणना के माध्यम से नागरिक स्वयं अपने परिवार का विवरण ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं।

इसके उपरांत मुख्य विकास अधिकारी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पहुंचीं, जहां उन्होंने शिक्षक-शिक्षिकाओं से जनगणना कार्य में रुचि लेकर के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा अथवा समस्या का सामना न करना पड़े, इसके लिए सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं पहले से ही प्रशिक्षण प्राप्त कर पूरी प्रक्रिया की जानकारी कर लें। उन्होंने जनगणना के महत्व को समझते हुए इस राष्ट्रीय कार्य में सक्रिय सहयोग एवं सहभागिता



स्वगणना की प्रक्रिया एवं प्रगणक के दायित्वों को भली-भांति समझने की अपेक्षा की। उन्होंने कहा कि जनगणना कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर श्री सांई आश्रित शाखमुरी मौजूद रहे।

# डीएम व एसएसपी नें सुनी का जनशिकायतें

@ क्यूँ न लिखूँ सच



जिलाधिकारी अवनीश राय ने तहसील बिसौली में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए जनशिकायतों को सुना। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापरक व समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करें। डीएम ने सम्बंधित अधिकारियों को प्रकरण की जांच सौंपते हुए प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण कराने के निर्देश दिए है।शनिवार को तहसील बिसौली में आयोजित समाधान दिवस में रामवीर पुत्र कुंवर सैन एवं रामवीर पुत्र भूपाल ने शिकायत की है कि लेखपाल दीपक भटनागर की मिलीभगत से ग्राम अजीतपुर निवासी कृष्णपाल एवं कुंवरपाल पुत्रगण दुलार द्वारा ग्राम समाज की भूमि पर अवैध कब्जे कराने शिकायत की है, इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी अवनीश राय ने तहसीलदार बिसौली को निर्देश दिए कि सरकारी भूमि के सभी गाटों की जांच कराकर आवश्यक कार्यवाही की जाए। दोषी पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में शिकायतकर्ता की संतुष्टि आवश्यक है, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि शासन स्तर से भी निस्तारण की गुणवत्ता के संबंध में फीडबैक लिया जाता है इसलिए अधिकारी पूरी गंभीरता से कार्य करें।संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर राजस्व विभाग की 18, पुलिस विभाग की 02, विकास विभाग की 03, समाज कल्याण विभाग की 01 अन्य विभाग की 02 सहित कुल 26 शिकायती पत्र प्राप्त हुए, शिकायतकर्ता की संतुष्टि आवश्यक है, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि शासन स्तर से भी निस्तारण की गुणवत्ता के संबंध में फीडबैक लिया जाता है इसलिए अधिकारी पूरी गंभीरता से कार्य करें।संपूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर राजस्व विभाग की



जिनमें से 02 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा एवं उपजिलाधिकारी बिसौली प्रियंका गोयल, तहसीलदार सोनपाल सिंह सहित समस्त विभागीय अधिकारी मौजूद रहे शिकायतों का निस्तारण सुनिश्चित करें अधिकारी सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शिकायतों के निस्तारण में 18, पुलिस विभाग की 02, विकास विभाग की 03, समाज कल्याण विभाग की 01 अन्य विभाग की 02 सहित कुल 26 शिकायती पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 02 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा एवं उपजिलाधिकारी बिसौली प्रियंका गोयल, तहसीलदार सोनपाल सिंह सहित समस्त विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### जानलेवा एएनए कट दोबारा खुलने के बाद हादसे शुरू, परियोजना निदेशक से की शिकायत, कट बंद कराने की मांग

शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता) @ क्यूँ न लिखूँ सच

फतेहगंज पश्चिमी– थाना क्षेत्र में शंखा पुल के पास लगभग एक वर्ष से बंद जानलेवा एएनए कट को दोबारा खोलने के बाद



सड़क हादसे शुरू कट खुलने के कुछ ही समय बाद बृहस्पतिवार देर शाम सामने से आ रहे तेज रफ्तार वाहन को बचाने के प्रयास में एक ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे में दो सगे भाई गंभीर रूप से घायल हो गए इसके अलावा शुक्रवार शाम ई रिक्शा पलटने से एक बालक की हुई मौत –इस मामले को लेकर छात्र असद अंसारी ने परियोजना निदेशक, मुरादाबाद एवं परियोजना निदेशक,बरेली से शिकायत कर खतरनाक जानलेवा एएनए कट को तत्काल प्रभाव से दोबारा बंद कराने की मांग की है। गौरतलब है कि छात्र असद अंसारी ने पूर्व में भी इस कट को बंद कराने के लिए पीएमओ शिकायत की थी, शिकायत के बाद लगभग एक वर्ष पहले इस कट को बंद कर दिया गया था। एक वर्ष तक कट बंद रहने के दौरान यहां इस कट से संबंधित कोई हादसा सामने नहीं आया और दुर्घटनाओं पर अंकुश लगा रहा। स्थानीय लोगों ने भी कट बंद किए जाने के फैसले की सराहना की थी।क्या है इस कट की सबसे बड़ी समस्या?–इस कट की सबसे बड़ी समस्या इसकी गलत यातायात व्यवस्था है। बरेली की तरफ से आने वाले जिन वाहन चालकों को एएनए रोड की तरफ जाना होता है, उन्हें रामपुर से बरेली की ओर आने वाली लेन को क्रॉस करना पड़ता है। हाईवे पर स्थित कट मुख्य सड़क से लगभग 100 मीटर आगे होने के कारण वाहन चालकों को करीब 100 मीटर तक गलत दिशा (रॉन्ग साइड) में चलना पड़ता है। इस दौरान सामने से आने वाले तेज रफ्तार वाहनों से टक्कर होने का खतरा बना रहता है। इस कट पर पूर्व में भी कई गंभीर सड़क हादसे हो चुके हैं और बेशुमार लोगों की जान जा चुकी है। लगभग एक वर्ष तक कट बंद रहने से दुर्घटनाओं पर रोक लगी रही, लेकिन अब दोबारा कट खोलने के बाद हादसा होना कई सवाल खड़े कर रहा है। सर्दियों में कोहरे के कारण बढ़ सकता है हादसों का खतरा–आने वाले दिनों में सर्दियों के मौसम में घना कोहरा छाने लगेगा। ऐसे में हाईवे पर दृश्यता कम होने के कारण इस कट से गुजरने वाले वाहन चालकों के लिए खतरा और बढ़ सकता है। रॉन्ग साइड से आने-जाने वाले वाहनों के कारण किसी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है। परियोजना निदेशक से तत्काल कार्रवाई की मांग–छात्र असद अंसारी ने परियोजना निदेशक, मुरादाबाद एवं परियोजना निदेशक, बरेली से अपील की है कि किसी बड़ी जनहानि का इंतजार किए बिना शंखा पुल के पास स्थित एएनए कट को तत्काल प्रभाव से दोबारा बंद कराया जाए। कहा कि जब लगभग एक वर्ष तक कट बंद रहने के दौरान दुर्घटनाओं पर अंकुश लगा रहा, तो आम जनता की सुरक्षा को देखते हुए इसे बंद रखना ही उचित होगा। अधिकारियों से जनहित में मामले को गंभीरता से लेते हुए जल्द से जल्द आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है, ताकि भविष्य में किसी और परिवार को सड़क हादसे का दर्द न झेलना पड़े।

### पारस सोनी के इलाज के लिए मुख्यमंत्री पोर्टल और जिलाधिकारी से लगाई गुहार

उरई (जालौन)। जिला कारागार उरई में निरुद्ध बंदी पारस सोनी के पेट में लगातार तेज दर्द होने का मामला सामने आया है। बंदी के परिजनों ने उसके समुचित इलाज और अल्ट्रासाउंड जांच की मांग को लेकर मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल, जिलाधिकारी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) को ई-मेल भेजकर गुहार लगाई है।

परिजनों के अनुसार पारस सोनी पुत्र मंजेश सोनी 13 अक्टूबर 2026 से जिला कारागार उरई में निरुद्ध हैं। उन्हें पिछले कई दिनों से पेट में तेज दर्द की शिकायत है। जेल के चिकित्सक को कई बार समस्या बताने और दवाइयां दिए जाने के बावजूद उन्हें आराम नहीं मिल रहा है।

परिजनों ने अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि समय रहते बीमारी की सही जांच और इलाज नहीं हुआ तो स्थिति गंभीर हो सकती है। उन्होंने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने के साथ जिलाधिकारी और सीएमओ को ई-मेल भेजकर बंदी की तत्काल अल्ट्रासाउंड जांच कराने तथा उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

अब देखना होगा कि प्रशासन इस शिकायत पर कितनी शीघ्र कार्रवाई करता है और बंदी को बेहतर चिकित्सा सुविधा कब तक उपलब्ध कराई जाती है।

# If you're craving something sweet, try these methods to manage your blood sugar.

Dates can be a natural alternative to sweets, helping to control blood sugar. It's not easy for everyone to completely suppress their sweet tooth, especially when health is a concern. In such a situation, dates can be a natural alternative, providing both flavor and nutrition. Consuming dates in the right quantity and in a balanced manner can help energize the body, control hunger, and reduce the risk of sudden blood sugar spikes. So let's learn how to soak dates overnight and consume them in the morning. Soak two dates in water overnight and consume them in the morning on an empty stomach. This softens the dates and improves digestion. Soaked dates provide energy to the body gradually, preventing sudden blood sugar spikes. This method is also considered light on the stomach. Eat with dry fruits - Eating dates with almonds, walnuts, or pistachios is considered healthier. The healthy fats and proteins in dried fruits slow down the absorption of sugar, keeping you full longer and reducing cravings for sweets. Use them as a sugar substitute - Use dates instead of sugar in smoothies, oats, or homemade sweets. They provide the body with fiber and minerals along with natural sweetness. This will reduce refined sugar intake, helping control blood sugar. Eat with high-fiber foods - Eating dates with oats, chia seeds, or multigrain toast will balance the glycemic impact. Fiber-based foods slow down digestion, allowing sugar to reach the bloodstream more slowly and preventing sudden spikes. Limit your intake before a workout - Eating one or two dates before a workout provides instant, natural energy. This helps reduce fatigue and keeps the body active. Make a healthy snack with yogurt - Eating chopped dates mixed with low-fat yogurt is a healthy and tasty option. The protein and probiotics present in yogurt improve digestion, while dates provide natural sweetness. Precautions - Do not consume more than 2-3 dates daily. Diabetics must consult a doctor before consuming them. Avoid processed or sugary dates. Consuming dates in moderation can make your diet healthy and tasty, and can also help in controlling blood sugar.



# Are your child's clothes too small? Instead of throwing them away, try these 10 smart ways to repurpose them.

Instead of throwing away children's outgrown clothes, they can be repurposed in many creative ways. Children grow up unnoticed. The faster they grow, the faster their clothes become smaller. Parents are often forced to throw these clothes away. But did you know that you can reuse these old children's clothes? Yes, there are many ways to repurpose old children's clothes. This not only saves money but also prevents environmental damage. Let's learn how you can repurpose old children's clothes. How to repurpose old children's clothes? Create new designs from old clothes - If clothes have become too small, you can cut them up and repurpose them into new designs. For example, turning a T-shirt into a crop top or frock or turning pants into shorts is a good option. Make cushion covers or pillow covers - You can make beautiful cushion or pillow covers from old shirts or frocks. Use them as dusting cloths - Old cotton clothes are great for cleaning. They can be cut into small pieces and used for housecleaning. Make soft toys or toys - Making soft toys for children from old clothes is a creative idea that also holds emotional value for them. Make a memory quilt - You can create a beautiful quilt by combining pieces of children's old clothes. This is a unique way to preserve their childhood memories. Make bags or pouches - You can make stylish bags, pouches, or lunch bags from old jeans or thick clothes. Give to younger siblings or those in need - If the clothes are in good condition, you can give them to young children or those in need. Make hair accessories - Hair bands, scrunchies, or clip covers can be made from old clothes. Make Plant Pot Covers - Making covers from old clothes is a great idea to decorate plant pots around the house. Use them in DIY craft projects - Making crafts from old clothes can be a fun activity with kids.



# Odisha's Ghumura dance is performed with a pitcher-shaped drum tied to the chest. The dancers perform such impressive feats that you won't be able to take your eyes off it.

Odisha's Ghumura dance is a centuries-old tradition of the Kalahandi district, popular for its pitcher-shaped instrument. In every corner of India, some folk art form has been keeping this tradition alive for centuries. It's impossible not to mention Odisha's Ghumura folk dance. The name might remind you of Rajasthan's Ghoomar dance, but it's completely different. In fact, it's not about dance, but about martial arts and pitchers. Let's discuss the history of the Ghumura folk dance today. The Ghumura dance has a special connection to the pitcher. Ghumura is a traditional folk dance from Odisha's Kalahandi district, and its story is linked to the pitcher. In fact, the dance derives its name from the pitcher-shaped traditional instrument. It's a type of drum, without which the dance is considered incomplete. It is said that the deep, resonant sound produced by this instrument is derived from the combination of Lord Shiva's Damaru and Goddess Saraswati's Veena. Courtly dances originated to boost the morale of soldiers - While historians disagree about the origin of this dance, one story is said to be related to soldiers fighting in war. It is said that in earlier times, the Ghumura drum was played to boost the morale of soldiers on the battlefield. Later, the rulers of Kalahandi patronized the dance and incorporated it into court dances. Thus, Ghumura dance became a distinctive feature of Odisha's culture. People dance with drums tied to their bodies - Ghumura is a vigorous dance performed by men in the Kalahandi district, typically between the ages of 15 and 40. It is performed in groups, with each group consisting of eight, twelve, or sixteen people. First, dancers tie a leather-covered drum to their bodies with a rope. Then, they continue to play it while dancing. Their movements are so agile that anyone watching them is filled with excitement. The spinning in circles, high jumps, and astonishing feats seem less like dance and more like martial arts.



# This cult song by Govinda has been a wedding anthem for 24 years. The groom sings for the capricious bride; Alka and Sonu provided the vocals.



24 years ago, Himesh Reshammiya composed a wedding song on Govinda, sung by Sonu Nigam and Alka Yagnik. Govinda's song is widely played at weddings. The song showcases the banter between the bride and groom. Himesh Reshammiya's music is superb. How can it be that it's wedding season and the groom doesn't sing a cult song by Govinda? A Govinda song is a must-play during wedding season. When the groom dances to this song, brides blush. This song is included in the list of best wedding songs. Millennials dance to this song at every wedding. This song, composed 24 years ago, is still a cult classic. This song was sung by Bollywood's legendary singer Sonu Nigam. Govinda's song has been a wedding anthem for 24 years. In fact, in 2002, Govinda released a film whose songs became hits, but the film itself flopped. This film featured a song that became a wedding anthem. This song is called "Tujhko Hi Dulhan Banaunga...". Sweet banter between the bride and groom. The song begins with the haldi-mehndi ceremony and then the wedding ceremony, where the hero sings for the heroine. In this song, Govinda expresses his feelings for Rani Mukerji, saying that he will make her his bride, or else he will die a bachelor. The bride, on the other hand, says that she will not marry him. The song features sweet banter between the two. Alka and Sonu's voices are a hit. This song was sung by Sonu Nigam and Alka Yagnik. Their voices were the soul of the song. The song also has fun lyrics, penned by Sameer Anjaan. Himesh composed the music for the wedding theme. Along with the lyrics and vocals, the song's music is also unmissable. The dholak-shehnai accompanies the wedding theme, and it was composed by Himesh Reshammiya. While some may not know about this Govinda and Rani Mukerji film, people have been dancing to this song for 24 years, especially at weddings.

# Sonu Nigam sang his cult songs on a flying plane, leaving passengers in awe.



Singer Sonu Nigam's melodious voice made a journey memorable. People couldn't help but be drawn to his singing. Sonu Nigam sang songs on a plane. Fans were thrilled to see Sonu Nigam, and fans also joined him in singing. Singer Sonu Nigam, who has given voice to iconic Bollywood songs, sometimes casts his spell with his voice in concerts and sometimes in the operating theater. Recently, he was seen singing among doctors in a hospital. Now, he stole the show by singing on a flying plane. A video of Sonu Nigam is going viral on social media, in which he is seen humming his cult songs with passengers on a flight. Sonu Nigam shared the latest video on his Instagram account. In the clip, it can be seen that as soon as passengers see Sonu Nigam, they start humming his songs. Some passengers rose from their seats and sang, forcing the crew to ask them to sit down. The singer then apologized. Passengers danced to a 27-year-old song. Sonu Nigam then added to the excitement. He sang cult songs like "Main Hoon Na" and "Kal Ho Na Ho" and the title track. The passengers also started humming along. As soon as Sonu Nigam sang "Bijuriya" from his 27-year-old album, the passengers were in a frenzy. The singer, moved by the passengers' love, shared the video and captioned it, "A love that exists only in dreams. Thank you all." Shraddha Pandit commented on the video, saying, "When the entire aircraft sings your song, you know you're not just an artist; you've become a feeling." This video of Sonu Nigam is going viral on social media, and people are calling him a gem. People are loving the way he sang in the sky without any musical system.

# Why did Salman Khan call Shraddha Kapoor and apologize? 'Bhaijaan' made a major mistake unknowingly.

Salman Khan recently revealed that he called Shraddha Kapoor and apologized. Let's find out why. Salman Khan apologized to Shraddha Kapoor. Both their films will clash at the box office - What did Salman Khan regret? Salman Khan's upcoming film 'Matrubhoomi' and Shraddha Kapoor's 'Eetha' are set to clash at the box office on December 4th. When Salman Khan was asked how he felt about this mega clash, 'Bhaijaan' revealed an interesting fact. Salman called Shraddha Kapoor and apologized - Salman Khan said that if he had known about Shraddha Kapoor's film in advance, he would have avoided this clash. He also revealed that he personally called the actress and apologized, expressing his support for her project. Salman on the Clash with Eetha - In an interview with ABP, Salman admitted that if he had known about Shraddha's film, he would have avoided releasing his film on December 4th. Salman said, "When we announced the date of December 4th, I didn't know that Shraddha's film was also releasing on the same day. I feel very bad about this. If I had known, I wouldn't have released my film alongside Shraddha's." Salman expressed regret - The actor further revealed that he personally contacted Shraddha and apologized. Salman said, "I spoke to her, called her. I've seen her grow up since childhood. I told her, 'I'm really sorry, I didn't know.'" Salman said that the actress told him, "No, no sir, there's enough space for both films to release." To this, Salman replied, "Very good, I'm happy." Salman appeals to watch 'Eetha' - Salman not only expressed regret over the clash of films but also appealed to people to watch Shraddha's film. The actor wished the team of Eetha on his Instagram stories. About 'Matrubhoomi' - 'Matrubhoomi: May War Rest in Peace' is a war drama starring Salman Khan and Chitrangada Singh in lead roles. Directed by Apoorva Lakhia, the film is produced under the banner of 'Salman Khan Films'. About 'Eetha' - On the other hand, 'Eetha' is a musical drama starring Shraddha Kapoor and Randeep Hooda. The film is inspired by the life of famous Marathi Tamasha and Lavani artist Vithabai Narayangaonkar.

